

# ग्लोबल रैंकिंग में पिछड़ी इंडियन यूनिवर्सिटीज

- टॉप 200 यूनिवर्सिटी में इंडिया की एक भी नहीं
- टॉप 400 में भी सिर्फ दो यूनिवर्सिटीज को मिली जगह



इंडिया की टॉप यूनिवर्सिटीज ग्लोबल लेवल पर पिछड़ी हुई साबित हुई हैं। वर्ल्ड की टॉप-200 यूनिवर्सिटीज में इंडिया की एक भी यूनिवर्सिटी का नाम नहीं है। टॉप-400 में भी मात्र आईआईएससी और आईआईटी बॉम्बे ने जगह बनाई है। आईआईएससी को जहां 251वाँ रैंक मिली है, वहीं आईआईटी बॉम्बे ने 351 रैंक हासिल की है। लंदन की एक नामी वीकली मैगजीन की ओर से 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2015-16' में यह स्थिति सामने आई है।

## 800 में भी मात्र 17

स्टडी से पता चलता है कि इंडियन यूनिवर्सिटीज की स्थिति बहुत खराब है। दुनिया की टॉप 800 यूनिवर्सिटीज में हमारी सिर्फ 17 यूनिवर्सिटीज हैं। यह आंकड़े हमें सोचने को मजबूर करते हैं कि शिक्षा के बढ़ते दायरे के बावजूद क्वालिटी एजुकेशन पर किसी का ध्यान नहीं है। हर साल देश में यूनिवर्सिटीज खुल रही हैं, लेकिन इनके स्तर को नजरअंदाज किया जा रहा है।

## कैलिफोर्निया

## इंस्टीट्यूट ऑफ

## टेक्नोलॉजी नम्बर वन

कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वर्ल्ड लेवल पर पहले स्थान पर है। दूसरे स्थान पर ऑक्सफोर्ड और तीसरे पर स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। यह रैंकिंग 13 मापदंडों को ध्यान में रखकर की गई है।

## आईआईटीज भी

## काफी पीछे

## आईआईटी में

एडमिशन बच्चों का सपना होता है लेकिन रैंकिंग बताती है कि इंडियन आईआईटीज भी ग्लोबल लेवल पर नहीं टिकती। दिल्ली, खड़गपुर, मद्रास, गुवाहटी, कानपुर और रुड़की आईआईटी इस रैंकिंग में टॉप 600 यूनिवर्सिटीज में शामिल हैं। टॉप 600 में इनके अलावा जादवपुर और पंजाब यूनिवर्सिटी हैं। 601 से 800 रैंकिंग के बीच में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अमृता यूनिवर्सिटी, आंध्रा यूनिवर्सिटी, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली और सावत्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी हैं।